RA OS

B2B Tenant Onboarding Guide

आपके Settings पेज के हर सेक्शन की पूरी, step-by-step जानकारी — यहाँ जो भी आप भरेंगे, वह सिर्फ़ आपका अपना है।

RA Practice Management Platform

RA OS में आपका स्वागत है

RA OS, SEBI Registered Research Analysts के लिए बनाया गया एक पूरा practice-management platform है। इस platform पर हर organisation — आपकी संस्था सहित — पूरी तरह अलग-अलग, isolated data और credentials पर चलती है। नीचे जो भी जानकारी आप भरेंगे, वह किसी भी दूसरी organisation के साथ कभी शेयर नहीं होती, न ही उन्हें दिखती है। यह गाइड आपके Admin Panel के Settings पेज पर मौजूद हर सेक्शन को, ठीक उसी क्रम में, एक-एक करके समझाती है।

RA OS का सामान्य नियम: नीचे जिसे भी "optional" बताया गया है, वह तब तक एक safe shared default पर चलता रहेगा जब तक आप उसे खुद न भरें — जब तक आप अपनी जानकारी save नहीं करते, तब तक कुछ भी टूटता या बदलता नहीं।

1. आपका Subdomain और अपना Custom Domain

पेज: Domain & Microsite Setup। यह आमतौर पर सबसे पहला काम है — इसी से तय होता है कि आपके अपने clients किस web address का इस्तेमाल करेंगे।

स्टेप 1 — आपका Subdomain (मुफ़्त)

- एक छोटा, याद रखने लायक subdomain चुनें (जैसे yourpractice) — यह yourpractice.[platform domain] बन जाएगा।
- यह मुफ़्त और तुरंत active होता है — किसी approval की ज़रूरत नहीं।

स्टेप 2 — Whitelabel: आपका अपना Custom Domain (paid add-on)

- अगर आपके पास अपना domain है (जैसे crm.yourbrand.com), तो उसे यहाँ डालें।
- इस पेज पर दिए निर्देश के अनुसार अपने domain का DNS RA OS की तरफ़ point करना होगा।
- यह एक paid add-on है — अगर यह option न दिखे तो पहले Settings Add-ons में इसे चालू करें।

स्टेप 3 — अपनी Microsite देखें (Preview)

हर tenant के लिए पहले से एक तैयार, generic public research-site template बना हुआ है — आपका domain live होते ही आपके clients को आपके address पर यही microsite दिखेगी (किसी और organisation की site नहीं)।

2. Organization Profile

यह वह मुख्य पहचान वाली जानकारी है जो हर client-facing document (invoice, agreement, Welcome Kit, disclaimer) और हर compliance report में इस्तेमाल होती है।

- Organization Name — आपके business का registered नाम।
- SEBI Registration Number — आपका अपना INH... registration number (platform owner का कभी नहीं)।
- BSE Enlistment Number — आपका अपना enlistment number।
- Disclaimer & Disclosure Page URL — आपकी अपनी site/microsite पर एक public page, जसिमें आपके SEBI disclosures हों।

3. Logo & Favicon

अपना logo (site header में दखिता है) और favicon (browser-tab icon) अपलोड करें — यह आपके subdomain और custom domain दोनों पर लागू होता है। सीधे image file अपलोड करें, कोई URL paste न करें।

4. Investor Charter

अपना Investor Charter document (SEBI द्वारा अनविार्य disclosure) अपलोड करें — यह क्लाइंट के Welcome Kit में दखिता है।

5. Agreement / MITC Template

अपना Client Agreement / MITC (Most Important Terms and Conditions) PDF template अपलोड करें — यही वह document है जसिे आपका क्लाइंट onboarding के दौरान Aadhaar e-sign से digitally sign करता है।

6. General Details

यह विस्तृत organisational जानकारी periodic compliance reporting (BSE Annexures, Annual Compliance Audit) में इस्तेमाल होती है।

7. GST & Company Details

अपना GSTIN सिर्फ़ तभी भरें जब आप GST-registered हों — अगर threshold से नीचे हैं तो खाली छोड़ें। यह सिर्फ़ आपके अपने invoices पर छपता है, किसी और organisation के साथ कभी मिक्स नहीं होता।

8. Compliance Officer & Registered Addresses

- Compliance Officer का नाम/पद/contact.
- Registered Office Address, Correspondence Address, और Address of Principal Place of Business — तीनों अलग-अलग भरें।

9. Branch Addresses

अगर आपकी कोई भी branch office हो, तो उसका पता यहाँ जोड़ें।

10. मुख्य लोग (Key People)

- Contact Person — आपका मुख्य संपर्क व्यक्ति।
- Dedicated Officer (DO) — शिकायत निवारण के लिए, यह एक SEBI ज़रूरत है।
- Principal Officer.
- Managing Director / Managing Partner.
- Other Directors / Partners.
- Shareholding Pattern — जिनके पास आपकी entity का 10% या उससे ज़्यादा हिस्सा है।

11. Websites, Social Media, Bank Accounts, NISM और UPI

- Websites — आपकी कोई भी public website(s)।
- Social Media Handles — आपके अपने official handles।
- Bank Accounts — record-keeping के लिए आपके अपने registered bank account(s)।
- NISM Certifications — आपका अपना NISM-Series-XV (Research Analyst) certification details।
- UPI Handles — क्लाइंट से payment लेने में यह असल में कैसे इस्तेमाल होता है, नीचे Payment Methods में देखें।

12. Messaging Channels

अपना खुद का Telegram bot, WhatsApp number, और email भेजने वाला account इस्तेमाल करें — platform के shared वाले कभी नहीं। नीचे हर field optional और अलग-अलग चालू करने लायक है; जिस channel के लिए कुछ खाली छोड़ेंगे, सिर्फ़ वही safe shared default पर चलता रहेगा।

12.1 Telegram

- अपना bot बनाने और उसका token पाने के लिए Telegram पर @BotFather को मैसेज करें।
- उस bot को अपने हर Telegram group में जोड़ें और उसे Admin बना दें (कोई bot खुद को group में जोड़ या promote नहीं कर सकता)।
- Bot Token को RA OS में paste करें, फिर Detect My Groups पर क्लिक करें — हर group की numeric chat ID खुद ढूँढने की ज़रूरत नहीं।
- हर Category (Equity, Options, Futures, आदि) के लिए एक या ज़्यादा Group Chat ID सेट करें — किसी combo plan के क्लाइंट को दोनों संबंधित category के groups में जोड़ना होगा।
- Register Telegram Webhook पर क्लिक करें ताकि क्लाइंट के reply आपके अपने Telegram Inbox में दिखें।
- वैकल्पिक: अपनी personal Telegram chat ID डालें ताकि हर क्लाइंट को भेजी गई Welcome Kit की एक कॉपी आपको भी मिले, जिससे आप हमेशा देख सकें कि असल में क्या भेजा गया।

12.2 WhatsApp

- इसके लिए आपका अपना Meta Business/WhatsApp Cloud API app चाहिए।
- अपना Phone Number ID, Access Token, Webhook Verify Token, और App Secret डालें।
- दिखाए गए webhook URL को अपने Meta App dashboard में सेट करें।
- ध्यान दें: WhatsApp फ़िलहाल सिर्फ़ inbound-reply के लिए है (Meta की अपनी नीति) — outbound broadcast के लिए नहीं।

12.3 Email — Resend या Gmail (एक या दोनों चुनें)

डिफ़ॉल्ट रूप से, क्लाइंट को जाने वाले emails (Welcome Kit, OTP, invoices, notifications) platform के shared account से भेजे जाते हैं। नीचे अपना खुद का सेट करें:

Option A — Resend (recommended)

- अपना Resend account बनाएं और अपना sending domain verify करें।
- अपना Resend API Key और From Address डालें।

Option B — Gmail SMTP (आसान, मुफ़्त)

- किसी भी Gmail account का इस्तेमाल करें जिसमें 2-Step Verification चालू हो।
- myaccount.google.com/apppasswords पर जाकर App Password बनाएं (यह आपका सामान्य Gmail password नहीं है)।
- अपना Gmail Address और बना हुआ App Password डालें।
- ध्यान दें: emails इसी Gmail address से भेजे हुए दिखेंगे, किसी branded domain से नहीं।

अगर Resend और Gmail दोनों सेट हैं, तो पहले Resend इस्तेमाल होता है — अगर कभी Resend fail हो जाए तो आपका अपना Gmail अपने आप backup बन जाता है, जिससे आपके क्लाइंट के emails पहुँचते रहें।

13. Broker Connection (Performance Tracker)

अपना खुद का broker account जोड़ें (paid add-on) ताकि Trade Dispatch पर एक live P&L view चल सके — यह सिर्फ़ आपके अपने internal इस्तेमाल के लिए है, क्लाइंट को सीधे कभी नहीं दिखता।

- अपना खुद का Fyers Developer App (App ID/Secret) जोड़ें — यह किसी और organisation के साथ कभी शेयर नहीं होता।
- Daily Auto-Login चालू करें ताकि access token (जो रोज़ expire होता है) हर सुबह market खुलने से पहले अपने आप refresh हो जाए।

14. Payment Methods

तय करें कि आपके क्लाइंट को payment step पर कौन-सा तरीक़ा दिखे।

- Valid UPI — मुफ़्त, manual-verification वाला विकल्प। अपनी UPI ID (SEBI का "Valid UPI" फ़ॉर्मेट: something@validbank) डालें और अपना QR code image अपलोड करें। हर payment आप खुद क्लाइंट के UTR से verify करते हैं।
- Razorpay — अपने account के लिए नीचे देखें।

14.1 आपका अपना Razorpay Account

डिफ़ॉल्ट रूप से, क्लाइंट के payments platform के shared account से गुज़रते हैं। सीधे अपने ही account में payment लेने के लिए:

- अपनी Razorpay Key ID, Key Secret, और Webhook Secret डालें।
- Save करने के बाद जो exact webhook URL दिखे, उसे अपने Razorpay Dashboard Settings Webhooks में register करें, payment_link.paid, payment.captured, और payment.failed events के लिए।

15. आपका अपना PaRRVA Credentials

Compliance के लिए ज़रूरी है। डिफ़ॉल्ट रूप से, trade calls platform के shared enrolment से PaRRVA को भेजी जाती हैं। अगर आपका अपना SEBI RA registration और PaRRVA enrolment है:

- अपना PaRRVA Enrolment ID, Password, Auth URL, और Trade Base URL डालें।
- भरने के बाद, आपकी trade calls आपके अपने enrolment के तहत file होंगी, platform की नहीं।

16. आपका अपना Digio Credentials

Compliance के लिए ज़रूरी है — क्लाइंट का e-sign आपके अपने Digio registration के तहत ही होना चाहिए, platform के shared account से नहीं।

- अपना Digio Client ID और Client Secret डालें।
- Base URL override वैकल्पिक है — खाली छोड़ने पर platform का default (production: api.digio.in) इस्तेमाल होगा।

17. आपका अपना CVL KRA Credentials

Compliance के लिए ज़रूरी है — क्लाइंट का KYC आपके अपने CVL KRA registration के तहत ही चलना चाहिए; एक RA का KYC check कभी किसी दूसरे RA के account से नहीं गुज़र सकता।

- अपना Username, Password, POS Code, Base URL, API Key, और AES Key डालें (यह CVL KRA से सीधे register करने पर मिलते हैं)।
- आपका अपना account तभी इस्तेमाल होता है जब सभी 6 fields एक साथ भरे हों — अधूरा भरा सेट, पूरी तरह खाली छोड़ने जैसा ही, shared default पर चला जाता है।

18. PaRRVA Verified Performance — Public Display

इसे चालू करें ताकि आपकी अपनी public site पर एक असली, SEBI PaRRVA-verified track-record सेक्शन दिखे — यह डिफ़ॉल्ट रूप से बंद रहता है, जब तक आप इसे खुद चालू न करें तब तक कुछ नहीं दिखता। जैसे ही PaRRVA के पास आपके लिए पर्याप्त trade history हो जाती है, यह live performance data दिखाना शुरू कर देता है।

19. Google Drive Auto-Backup

अपने पूरे RA OS account data का एक-क्लिक, रोज़ाना backup सीधे आपकी अपनी Google Drive में — यह एक paid add-on है। अपना Google account जोड़ें (किसी और organisation के साथ कभी शेयर नहीं होता)।

20. Security

20.1 Two-Factor Authentication (MFA)

बेहद recommended — इस login के पास आपके हर क्लाइंट के KYC, payment, और agreement data तक पहुँच होती है। दूसरे login step के तौर पर कोई authenticator app (Google Authenticator, Authy, या कोई भी TOTP app) चालू करें।

20.2 Passkeys

एक और मज़बूत login तरीक़े के रूप में Touch ID / Windows Hello सेट करें।

20.3 Alternate Login Emails

अतिरिक्त email addresses जोड़ें जो आपके ही admin account में login कर सकें।

21. Verification Documents

वे documents अपलोड करें जो आपकी organisation की पहचान और SEBI registration verify करते हैं (नीचे Section 22 में sign-up वाली पूरी checklist देखें)।

22. आप असल में RA OS से कैसे जुड़े — Self-Service Sign-Up

संदर्भ के लिए, यह वही प्रक्रिया है जिससे हर नई organisation RA OS पर पहली बार जुड़ने के लिए गुज़रती है:

- अपना subdomain चुनें और उसकी availability चेक करें।
- ज़रूरी documents अपलोड करें: SEBI registration certificate, GST certificate, PAN, bank proof, Aadhaar, और एक छोटा video-KYC।
- आपकी submission एक manual-review queue में जाती है — platform owner नई organisations को review करके ही approve करता है।
- Approve होने के बाद, आपको अपना admin login मिल जाता है और आप इस गाइड के Section 1 से 21 तक, किसी भी क्रम में, अपनी गति से काम शुरू कर सकते हैं।

दस्तावेज़ नियंत्रण

Version 1.0 - 11 अगस्त 2026 को तैयार किया गया। दायरा: इस तारीख़ तक Settings पेज का हर सेक्शन। इस version में screenshots शामिल नहीं हैं; भविष्य के version में जोड़े जा सकते हैं।